प्रेषक,

नितिन कुमार गुप्त,
अनु सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
संस्थागत वित्त महानिदेशालय,
उ0प्र0, 16-विधान सभा मार्ग, लखनऊ।

वित्त (संस्थागत) अनुभाग-35 **लखनऊ: दिनांक: 6 जनवरी, 2023**

विषय: मुख्य सचिव, उ0प्र0 शासन की अध्यक्षता में दिनांक 23 नवम्बर, 2022 को सम्पन्न राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (उ0प्र0) की बैठक के कार्यवृत्त के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र सं0-6768/एसएलबीसी/2022-23 दिनांक 06.12.2022 का कृपया संदर्भ गृहण करने का कष्ट करें, जिसके माध्यम से मुख्य सचिव, उ0प्र0 शासन की अध्यक्षता में दिनांक 23 नवम्बर, 2022 को सम्पन्न राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (उ0प्र0) की बैठक का कार्यवृत्त अनुमोदन हेतु प्रेषित किया गया था। कार्यवृत्त पर मुख्य सचिव महोदय का अनुमोदन प्राप्त हो चुका है,जिसकी प्रति संलग्न है।

संलग्नक-यथोक्त।

भवदीय,

Signed by नितिन कुमार गुप्त
Date: 06-01-2023 11:25:09
Reason: Approved

(नितिन कुमार गुप्त)
अनु सचिव।

2280361/2022/ (-)

Gmail

Director General <directorgeneral.difup@gmail.com>

FW: Draft minutes of the SLBC meeting held on 23.11.2022

1 message

Slbc Deparment , Up <slbc.up@bankofbaroda.com> Tue, Dec 6, 2022 at 12:30 PM
To: Director General <directorgeneral.difup@gmail.com>, "director.dif@gmail.com" <director.dif@gmail.com>, SHIV SINGH <director.general.dif@gmail.com>

महोदय,

कृपया उक्त विषयक संलग्नक ग्रहण करने का कष्ट करें।

भवदीय,

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (उ0प्र0)

From: Slbc Deparment , Up
Sent: Saturday, December 3, 2022 12:20 PM
To: Director General <directorgeneral.difup@gmail.com>; director.dif@gmail.com; 'SHIV SINGH' <director.general.dif@gmail.com>
Subject: FW: Draft minutes of the SLBC meeting held on 23.11.2022

महोदय,

कृपया उक्त विषयक संलग्नक ग्रहण करने का कष्ट करें।

भवदीय,

राज्य स्तरीय बैकर्स समिति (उ.प्र.)की सितम्बर2022 तिमाही की दिनांक 23.11.2022 को सम्पन्न बैठक का कार्यवृत्त

राज्य स्तरीय बैकर्स समिति (उ.प्र.) की सितम्बर2022 त्रैमास की समीक्षा बैठक दिनांक23.11.2022 को **श्री दुर्गा शंकर मिश्रजी, मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन**की अध्यक्षतामें लोक भवन में सम्पन्न हुई। इस बैठक मेडॉ0 बालू केनचप्पा, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिज़र्व बैंक, लखनऊ; श्री आलोक कुमार, आई.ए.एस. सचिव योजना विभाग, उ0प्र0 शासन;श्री अनुराग यादव, आई.ए.एस. सचिव कृषि;श्री शिव सिंह यादव, महानिदेशक, संस्थागत वित्त एवं सर्वहित बीमा निदेशालय, उ0 प्र0; श्री संजय कुमार दोरा, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड, लखनऊ; सहित राज्य सरकार केविभिन्न विभागो के अधिकारी तथा बैंक एवं वित्तीय संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारीगणों द्वारा सहभागिता की गयी।

बैठक के प्रारम्भ मे **श्री ब्रजेश कुमार सिंह, महाप्रबन्धक, बैंक ऑफ बड़ौदा एवं संयोजक, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, उ0प्र0** ने सभी सम्मानित सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने प्रदेश में की जा रही बैंकिंग गतिविधियों के साथ-साथ भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न अभियानों की अद्यतन प्रगति से सभा को अवगत कराया।

गत बैठक दिनांक 29.09.2022 के कार्यवृत्त की पुष्टि के उपरांत, उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण मानकों पर प्रदेश की स्थिति का संक्षिप्त विवरण निम्नवत प्रस्तुत किया:-

1. सितम्बर 2022 तिमाही के दौरान प्रदेश का कुल जमा रू 14 लाख 31 हजार करोड़ रहा है ज़ो सितम्बर 2021(रू 13 लाख 13 हजार करोड़) के तुलना में रू 1 लाख 18 हजार करोड़ बढ़ा है। साथ ही सितम्बर 2022 में कुल अग्रिम रू 7 लाख 51 हजार करोड़ रहा है जिसमें सितम्बर 2021(रू 666897करोड़) के स्तर से रू 84449 करोड़ वृद्धि दर्ज की गई है।
2. इस प्रकार प्रदेश कुल बैंकिंग व्यवसाय में चालू वित्तीय वर्ष के दौरान रू 62166 करोड़ की वृद्धि दर्ज करते हुए प्रदेश का कुल व्यवसाय रू 21 लाख 90 हजार करोड़ के स्तर पर पहुँच गया है|

3. प्रधानमंत्री जन धन योजना के अंतर्गत प्रदेश में अभी तक 8.42 करोड़ खाते खोले जा चुके है जिसमें से वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 49 लाख जन धन खाते खोले गये है।

4. सामाजिक सुरक्षा योजना यथा PMJJBY (131 लाख)और PMSBY (415 लाख) के तहत कुल 546लाख नामांकन किए गए हैं। योजना के तहत लोगों को कवर करने के लिए अभी भी बड़ा स्कोप उपलब्ध

है।अटल पेंशन योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान 11.53 लाख नामांकन करते हुए अभी तक कुल 71.65 लाख नामांकन किये जा चुके है।

5. सितम्बर 2022 को समाप्त तिमाही में प्रदेश का ऋण जमा अनुपात 53.07% रहा है जो मार्च 2022 के स्तर 52.38से 0.69%की बढोत्तरी दर्शाता है। अवगत करना है कि प्रदेश में कार्यरत समस्त बैंको द्वारा ऋण जमा अनुपात बढ़ाये जाने हेतु समग्र रूप से कार्ययोजना बनाते हुए प्रयास किये जा रहे है।

6. विगत एस. एल. बी. सी. बैठक के दौरानराज्य स्तरीय बैंकर्स समिति व रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा प्रस्तुत CDRatio(जो की क्रमशः 52.38% व46.17% हैं) में भिन्नता पाएजानेपरविस्तृतचर्चाकीगईथी| इससंबंधमें, उन्होंने सभा को अवगतकराया किRBIद्वाराप्रस्तुतBSR-7रिपोर्टमेंU.P. Cooperative Banks वUPSGV Bank का डाटा सम्मिलित नहीं किया जाता है जबकि एस. एल. बी. सी द्वारा प्रस्तुत CDRatio में इन दोनों बैंकों केData को भी शामिल किया जाता है|इस प्रकार रिजर्व बैंक द्वारा प्रस्तुत जमा और ऋण धनराशि में U.P. Cooperative Banks, UPSGV Bank तथाउन सभी इकाइयों के ऋण को भीशामिल कर लिया जाये जिनका फाइनेंस प्रदेश से बहार स्थित बैंकशाखाओं/Cooperate office/Headofficeद्वारा किया गया हैं तब प्रदेश का CDRatio दोनों ही स्तर पर समान हो जाता है, जिसका विस्तृत विश्लेषण PPIके माध्यम से भी प्रस्तुत किया गया है|

7. RBI के निर्देशों के अनुसार, राज्य के सभी केंद्रों को 5 KM के दायरे में CBS- सक्षम बैंकिंग आउटलेट से संतृप्त किया जा चुका है। प्रदेश में बैंकिंग सेवाओं को विस्तार देने हेतु प्रदेश सरकार द्वारा "ONE GP ONE BC" कार्यक्रम की प्रारंभ किया गया हैं जिसके अंतर्गत अब तक कुल 32,666 बी. सी. सखी को Onboard किया जा चुका हैं|

8. प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, बैंकिंग आउटलेट में कुल 18,096(10034 बैंक मित्र, 7664 बैंक सखी और 207 एटीएम)में बढ़ोतरी हुई हैं|

9. चालू वित्तीय वर्ष हेतु वार्षिक ऋण योजनांतर्गत आवंटित लक्ष्य रू 2,94,988करोड़ के सापेक्ष सितम्बर 2022 को समाप्त तिमाही तक रू 1,42,537करोड़ का ऋण वितरण करते हुए 48% की उपलब्धि हासिल की गयी है। हमारे प्रदेश में MSME Sector के अन्तर्गत कुल आवंटित लक्ष्य रू 78360 करोड़ के सापेक्ष रू 71409करोड़ का ऋण वितरण करते हुए 91% की उपलब्धि हासिल की गयी है। साथ ही कृषि क्षेत्र के अंतर्गत कुल रू 66786 करोड़ का ऋण वितरण किया गया है।

10. PMSVANidhiयोजनान्तर्गत हमारे प्रदेश में कुल प्राप्त आवेदन पत्रों (10.33 लाख) के सापेक्ष 9.88लाख आवेदन पत्र स्वीकृत एवं 9.56 लाख आवेदन पत्रों में वितरण की कार्यवाही पूर्ण की जा चुकी है।

11. सरकार प्रायोजित विभिन्न रोज़गारपरक योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोज़गार योजना आदि में हमारे प्रदेश ने विगत वर्षों में लक्ष्यों के सापेक्ष शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है|

12. प्रधानमंत्री मुद्रा योजनांतर्गत सितम्बर 2022 को समाप्त तिमाही तक प्रदेश में 29 लाखसे अधिक लाभार्थियों कों रु 19245करोड़ की धन राशी स्वीकृत कर वितरण की कार्यवाही पूर्ण की जा चुकी हैं| उल्लेखनीयहैकिभारतसरकारकीइसमहत्वकांक्षीयोजना में गत 5 वर्षों से लगातार लक्ष्यों को पूर्णतयः प्राप्त किया जा रहा है।

13. हमें प्रदेश सरकार द्वारा RC Filed cases में Recovery हेतु निरंतर सहयोग प्राप्त होता रहता है। एक बार पुनः मैं प्रदेश सरकार से अनुरोध करना चाहता हूँ कि सरफेसी के अंतर्गत लम्बित मामलों में वसूली हेतु आवश्यक निर्देश निर्गत करने का कष्ट करें।

श्री शिव सिंह यादव, महानिदेशक, संस्थागत वित्त एवं सर्वहित बीमा निदेशालय, उ0 प्र0 नेअपने संबोधन में सर्वप्रथम श्री दुर्गा शंकर मिश्र जी, मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन का हार्दिक अभिनंदन अभिवादन करते हुए प्रदेश में बैंकिग विस्तार हेतु किये गए कार्य की सराहना की उन्होंने सभा को संबोधितकरतेहुएबतायाकी सितम्बर2022 तक प्रदेश में MSME के अन्तर्गत 90% लक्ष्य पूर्ण किये जा चुके है, तथाACP के अंतर्गत 48% लक्ष्य हासिल किये जा चुके है| उन्होंने कहा कि विगत एक वर्ष के दौरान प्रदेश के C:D ratioमें 1.8% की वृद्धि हुए है | PMSVANIDHIके अन्तर्गत QR का वितरण भी किया जा रहा है| 100 विकास खण्ड में ट्रेनिंग का कार्य भी किया जा रहा है तथा जल्द ही यहाँ के LDMs को भी ट्रेनिंग देने का कार्य किया जायेगा |

सभा को अवगत करते हुए उन्होंने कहा की PM SVANidhi में अच्छा कार्य किया गया है| उन्होंने कहा कि Border Area Development हेतु विशेष ध्यान देने किआवश्यकता है| प्रदेश में 40% से कम ऋण जमानुपात वाले बैंकों की संख्या सितम्बर तिमाही में 02 हो गयी है जो कि जून तिमाही में 04 थी|उन्होंने अवगत कराया कि प्रदेश शासन द्वारा प्रदेश में कार्यरत बैंको द्वारा ऋण प्रवाह बढाने हेतु किये जा रहे विभिन्न प्रयासों विशेषकर क्रेडिट आउटरीच कैम्पों के माध्यम से ऋण सुविधा प्रदान करने हेतु बैंकों की प्रशंसा की।

(कार्यवाहीः समस्त बैंक)

डॉ0 बालू केनचप्पा, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिज़र्व बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ ने साथ ही प्रदेश शासन, समस्त बैंको व अन्य वित्त संस्थानों के अधिकारीगणों का अभिवादन करते हुए प्रदेश में बैंकिग विस्तार हेतु किये गए कार्य की सराहना की|

प्रदेश के ऋण जमानुपात के विषय में सभा को अवगत कराते हुए **डॉ0केनचप्पा** ने कहा कि विगत 8 तिमाही में incremental ऋण जमानुपात में 100 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है, अर्थात जमा राशि के सापेक्ष अग्रिम में वृद्धि दर अधिक दर्ज हुई है।उन्होंने जोर देते हुए प्रदेश सरकार से अनुरोध किया की ऋण जमानुपात को और अधिक बेहतार करनेहेतु प्रदेश में industralization को गति देने कि आवश्यकहै, जिससे बैंक को अधिक से अधिक अच्छे ऋण प्रस्ताव प्राप्त हो सकें|

श्री आलोक कुमार, आई.ए.एस., सचिव, आयोजना विभाग, उत्तर प्रदेश शासन ने पी.पी.टी. के द्वारा प्रस्तुत अपने संबोधन में प्रदेश के C:D ratio, पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न प्रगति मापदंडो में चर्चा की|उन्होंनेRBI website पर उपलब्ध दिसम्बर' 21 के C:D ratioका संज्ञान लेते हुए कहा कि SLBC द्वारा प्रस्तुत आकड़ो तथा RBI website पर दिए गए C:D प्रतिशत में काफी अंतर है।इस सन्दर्भ में आप ने क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिज़र्व बैंक से उपरोक्त विषय मेंविधिवत गवेषणा करने हेतु आग्रह किया|

श्री दुर्गा शंकर मिश्र जी, मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासनने प्रदेश के विकास में बैंकों की महती भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बैंकोंद्वाराविभिन्न मापदंडो पर किये गए कार्यो कीप्रशंसाकरते हुए सभा में उपस्थित प्रदेश सरकार एवं बैंको के वरिष्ठ अधिकारीगण, को समीक्षा बैठक में निम्नवत सम्बोधित किया:

- मध्यांचल, पूर्वांचल और बुंदेलखंड क्षेत्रों में क्रेडिट-डिपॉजिट (सीडी) रेशियो 40% से कम है, इन क्षेत्रों के जनपदों में कृषि क्षेत्र, औद्योगिक क्षेत्रों एवं प्राथिमिकता प्राप्त क्षेत्रों में ऋण प्रवाह कम है| इन क्षेत्रों/जनपदों में ऋण प्रवाह बढ़ने हेतु सघन प्रयास किये जाये |
- ऋण जमानुपात मेंबैंकों के द्वारा अच्छा कार्य किया गया है इसको वर्त्तमान में 53% से बढाकर मार्च' 23 तक 60% करनेकी नितान्त आवश्यकता हैं| उन्होंनेजनपद मऊ मेंयथाशीघ्र1000 करोड़ के ऋण मेले का आयोजन किये जाने हेतु निर्देशित किया।(**कार्यवाही: यूनियन बैंक**)
- Aspirational Blocks तथाDistricts के विकास हेतु विशेष प्रयास करने के निर्देश दिये गये।
- सरकार जल्द ही Aspirationalcities कि घोषणा करने जा रही है, भविष्य में इनके विकास हेतु भी विशेष कार्ययोजना बनाने किआवश्यकता होगी|
- लोन मेला इत्यादि के माध्यम से विभिन्न सरकारी योजनायो के प्रचार प्रसार कि साथ साथ insurance schemes से भी अधिक से अधिक लोगो को लाभान्वित करने के निर्देश दिए गये|
- सभी बैंकों सहित अन्य विभाग अपने CSR फण्ड का उपयोग Aspirational Blocks तथाDistricts के विकास हेतु करने के निर्देश दिए गये|
- प्रदेश में लोकल इकॉनमी को बढ़ाये जाने हेतु विशेष व्यवसायएवं ऋण प्रवाह किये जाने की कार्यवाही बैंकों द्वारा की जाये|

बैठक के दौरान ऋण जमानुपत परचर्चाकरते हुए मुख्य सचिव महोदय द्वारा निर्देशित किया गयाकि प्रदेशके ऋण जमानुपत की समीक्षा हेतु राज्य स्तरीय बैकर्स समिति उ०प्र० द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले आकड़ो को आधार माना जायेगा| उन्होंनेविगत 8 तिमाही में incremental ऋण जमानुपात में 100 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर पर प्रसन्नता व्यक्त की|

अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने कहा कि वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने और प्रदेश के समग्र विकास के लिए हर एक सेक्टर के अल्पकालिक व दीर्घकालिक कार्ययोजना बनाई गई है और इसे सफल बनाने के लिए बैंक का रोल महत्वपूर्व है। प्रदेश का विकास जितनी तेजी से होगा बड़ी इंडस्ट्री उतनी तेजी से यूपी की ओर आकर्षित होंगी और रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

चर्चा को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कीअन्तर्राजिय परिषद के निर्देशों के अनुसार हमारे प्रदेश में587 बैंकशाखाअथवाIPPB शाखारहित केन्द्रों में से 344 केन्द्रों पर IPPB शाखा खोली जा चुकी है शेषबचे243 केन्द्रों में सहकारी बैंकों की शाखा खोलीजाने के निर्देश दिये गये।

(कार्यवाही: प्रमुख सचिव सहकारिता एवं नाबार्ड)

कृषि क्षेत्र के अंतर्गत ऋण प्रवाह बढ़ने कीआवश्यकतापर बल दिया तथाAgriculture Infrastructure Fund में भारत सरकार केद्वारा प्रदेश को दिए गए लक्ष्य ₹ 12,831/- करोड़ केसापेक्षसम्बंधित विभाग को निर्देशित किया गया कि बैंको को लक्ष्य के सापेक्ष न्यूनतम 200%गुणवत्तायुक्त ऋण आवेदन पत्र प्रेषित किये जाएं।

(कार्यवाही: कृषि विभाग)

मुख्य सचिव महोदय ने निर्देशित किया की NABARD केRIDF फण्ड का प्रदेश के विकास हेतु सभी सम्बंधित विभागों के द्वारा उपयोग किया जाये।

(कार्यवाही: सभी सम्बंधित विभाग)

बैठक के अंत में **श्री ब्रजेश कुमार सिंह, महाप्रबन्धक एवं संयोजक राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, उ0प्र0** द्वारा बैठक मे समय देने के लिए **श्री दुर्गा शंकर मिश्र जी, मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन**काविशेष आभार व्यक्त किया गया तथा उनके अमूल्य मार्गदर्शन हेतु धन्यवाद दिया गया। उन्होंनेप्रदेश शासन के समस्त वरिष्ठ अधिकारियों तथा बैंको से पधारे स्टेट प्रमुख व अन्य समस्त सहभागियों का भी आभार व्यक्त किया जिनके सहयोग से राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक संपन्न की जा सकी।

****